**औद्योगिक लाइसेंसों का जारी किया जाना**

2854. **श्री महाराज सिंह भारती :** क्या **औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा औद्योगिक लाइसेंस जारी किये जाने के लिए अपनाई गई नई प्रक्रिया जिस के अन्तर्गत आवेदन-पत्र प्रस्तुत किये जाने के बाद अधिक से अधिक 70 दिनों के अन्दर लाइसेंस प्राप्त किया जा सकता है, सभी सम्बन्धित विभागों में लागू की गई है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का ध्यान ऐसे मामलों की ओर दिलाया गया है, जिनमें निर्धारित समय के अन्दर लाइसेंस नहीं दिये जा सके; और

(ग) यदि हां, तो इस मामले में क्या कार्यवाही की गई है ?

**औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) :** (क) औद्योगिक उपक्रम पंजीकरण तथा लाइसेंसीकरण नियम, 1952 के नियम 15 में औद्योगिक लाइसेंस के आवेदनों के निबटारे की अवधि उनके प्राप्त होने की तारीख से 3 मास अथवा मांगी गई अतिरिक्त जानकारी प्राप्त होने की तारीख से 3 मास तक निर्धारित की गई है। औद्योगिक विकास प्रक्रिया समिति की सिफारिशों के आधार पर आवेदनों के निबटारे को विभिन्न अवस्थाओं के लिए कुछ समय सीमा निर्धारत की गई है। इस सम्बन्ध में सभी सम्बन्धित अधिकारियों को हिदायतें दी जा चुकी हैं।

(ख) और (ग). सरकार को इस बारे में जानकारी है कि उपर्युक्त भाग (क) में उल्लिखित कुछ मामलों में समय सीमा का निश्चित रूप से पालन करना सम्भव नहीं है। ऐसे मामले जो नियत अवधि के अन्दर लाइसेंस देने वाली समिति के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए जाते वे समिति की जानकारी में लाए जाते हैं और सम्बन्धित मन्त्रालयों/विभागों को इन मामलों पर शीघ्रता से कार्यवाही करने के लिए अनुरोध किया जाता है।

**चाय का निर्यात**

2855. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष, 1967 में भारत से किन-किन देशों को चाय का निर्यात किया गया और प्रत्येक देश को कितनी-कितनी मात्रा में चाय निर्यात की गई;

(ख) वर्ष 1968-69 के अन्त तक विदेशों को कितनी मात्रा में चाय का निर्यात किये जाने की सम्भावना है और उससे कुल कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित होने की सम्भावना है; और

(ग) चाय के निर्यात को और बढ़ाने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

**वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री मुहम्मद शफी कुरेशी) :** (क) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [**पुस्तकालय में रखा गया है देखिये** संख्या L-T 347/68]

(ख) वर्ष 1968-69 में होने वाले चाय के सम्भावित निर्यात की मात्रा तथा मूल्यों का, जरा भी उचित सीमा तक, ठीक ठीक अनुमान लगाना कठिन है।

(ग) सरकार का विचार विदेशों में चाय की मांग बढ़ा कर निर्यात को बढ़ावा देने का है। बढ़िया किस्म की चाय पर निर्यात शुल्क में हाल में की गई कमी से भी निर्यात बढ़ाने में सहायता मिलने की आशा है।

**बाड़नगर स्टेशन के समीप रेल की पटरी से फिश प्लेटों की चोरी**

2856. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :